The National Academy of Sciences, India

5, Lajpatrai Road, Prayagraj-211002, India

Monthly Summary for the month of April 2022

NASI continued to contribute to the 'Science & Society' as per its mandate, observing COVID appropriate behaviour during the re-spread of the coronavirus. The office of the Academy also followed the necessary orders of the govt. regarding the preventive strategies and norms, during the pandemic; however, several programmes were organised, as-

- The journals published by the Academy are gaining popularity day by day, as presently the following impact factors/cite scores have been recorded, which show that the journals are widely circulated and being read by many-

S.N.	Name of the Journal	Publisher	Impact Factor/Cite Score*
1	Proceedings of the National Academy of Sciences, India Section A	NASI	1.544
2	Proceedings of the National Academy of Sciences, India Section B	NASI	1.7*
3	National Academy Science Letters	NASI	0.788

- As per circular of the DST & letter from the Home Secretary, GoI regarding **'Cyber Jaagrookta Diwas (CJD),** the Academy **celebrated CJD on Wednesday, i.e. April 6, 2022.** The NASI Executives & staff discussed different issues related to cybercrime & control on this occasion.

- **World Earth Day** was celebrated in the Academy on **April 22, 2022**. Prof. Ajoy Ghatak, Hon'ble President, NASI addressed the audience/participants on this occasion on web; which was also a part of ***Hindi Karyashala***. A brief reporting on the work done by the Academy to conserve the nature and make the people aware about it was reported by the Executive Secretary, NASI. He also reported about the news published in a prestigious Daily in April 2022 on the Academy's efforts to conserve the rivers of India, the lifelines for the millions (the brief reporting is enclosed herewith as **Annex. 1 'a' & 'b'**).

- As a part of **NASI's Science-Society Initiative** and ***Azadi ka Amrut Mahotsav***, the Chapters of NASI organised popular talks; a pictographic details is enclosed herewith as per report received from the NASI-Bhopal Chapter (**Annex. 2**).

Several other NASI Chapters, are also organising online scientific activities. A few other programmes were undertaken by other groups. NASI also announced/invited nominations for the prestigious awards, as **NASI-Reliance Industries Awards for Action Oriented Research**; and **NASI-Platinum Jubilee Young Scientist Awards** for the innovative research. A few important meetings are also being organised for the Publications, Chapters and the Council on April 28-29, 2022. Several research papers were also published.

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत, प्रयागराज
THE NATIONAL ACADEMY OF SCIENCES, INDIA

विश्व पृथ्वी दिवस
(World Earth Day; Theme: Invest In our Planet)

World Earth Day was celebrated in the Academy on April 22, 2022. Prof. Ajoy Ghatak, Hon'ble President, NASI addressed the audience/participants on this occasion on web. A brief reporting on the work done by the Academy to conserve the nature and make the people aware about it, was reported by the Executive Secretary, NASI. He also reported about the news published in a prestigious Daily in April 2022 on the Academy's efforts to conserve the rivers of India, the lifelines for the millions (please see below). Further, the Executives and the staff members of the NASI also expressed their views.

गंगा और ब्रह्मपुत्र में दिखेगी जलधारा की कहानी

गुरुदीप त्रिपाठी, प्रयागराज

जागरण विशेष

उत्तर से लेकर दक्षिण तक, पूरब से लेकर पश्चिम तक। भारत भूमि को अभिसिंचित करतीं प्राणदायिनी नदियां हमारी प्राकृतिक संपदा की वैभवगाथा कह रही हैं। इन्हें जानने और समझने के लिए राहुल सांकृत्यायन को आत्मसात कर भारत दर्शन पर निकलना होगा। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (नासी) ने तीन स्थानों, प्रयागराज, गुवाहटी और कर्नाटक स्थित मैसूर में गैलरी बनवाई है। यह गंगा, ब्रह्मपुत्र और कावेरी गैलरी नदियों की समूची गाथा समेटे है।

अकादमी के अधिशासी सचिव डाक्टर नीरज कुमार ने बताया कि संस्थान परिसर में गंगा गैलरी की स्थापना वर्ष 2011 में की गई। प्रो. एमएस स्वामीनाथन, प्रो. एमजीके मेनन और प्रो. मंजू शर्मा ने गैलरी का खाका खींचा था। इसके बाद विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान की तरफ से दो करोड़ रुपये का अनुदान मिला। फिर नेशनल काउंसिल आफ साइंस म्यूजियम के साथ मिलकर नासी ने गंगा गैलरी तैयार की। प्रथम तल में गंगा के पौराणिक, सामाजिक पहलुओं को बारीकी से समझाने की कोशिश की गई है। गैलरी में गंगा के उद्गम से लेकर उसके किनारे के रहन-सहन, सभ्यता, आजीविका के बारे में बताया गया है। संग्रहालय में सुंदरवन का नजारा और बाघ की दहाड़ सुनने और डाल्फिन भी देखने को मिलेगा। गंगा किनारे रहने वाले समुदायों के बारे में जानने के लिए सेंसरयुक्त कांच में सात पुतले रखे गए हैं। इन पुतलों को बीच में रखने पर स्क्रीन पर उनके बारे में जानकारी मिल सकेगी। दूसरे तल पर गंगा के वैज्ञानिक तथ्यों को समझा सकता है। यहां हरिद्वार, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, पटना और दक्षिणेश्वर का गंगाजल भी रखा गया है। नासी के अधिशासी सचिव डाक्टर नीरज कुमार ने बताया कि गंगा गैलरी से असम और कर्नाटक सरकार काफी प्रभावित हुई। असम सरकार ने गुवाहटी में ब्रह्मपुत्र गैलरी बनाने का प्रस्ताव भेजा। 2015 में यह तैयार कर लिया गया। कर्नाटक सरकार ने मैसूर में कावेरी गैलरी वर्ष 2018 में तैयार कर ली गई।

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (नासी)

5, लाजपत राय मार्ग, प्रयागराज – 211002

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (नासी), प्रयागराज के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की हिंदी समिति की बैठक एवं कार्यशाला शुक्रवार, दिनांक 22.04.2022 को संध्या 4:30 बजे प्रोफेसर एम0जी0के0 मेनन हॉल में सम्पन्न हुई। बैठक में निम्नलिखित अधिकारी, कर्मचारी एवं अतिथि सदस्य गण उपस्थित थे –

1. प्रोफेसर अजय के0 घटक, अध्यक्ष, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत
2. डा0 नीरज कुमार, अधिशासी सचिव, नासी – अध्यक्ष, रा0का0स0
3. श्री अरविन्द कुमार श्रीवास्तव, उप अधिशासी सचिव – उपाध्यक्ष, रा0का0स0
4. श्री भानू प्रताप सिंह, सहायक अधिशासी सचिव – सचिव, रा0का0स0
5. डा0 संतोष कुमार शुक्ला, सहायक अधिशासी सचिव – कोषाध्यक्ष, रा0का0स0
6. श्रीमती दीप्ति जायसवाल, अनुभाग अधिकारी – सदस्य, रा0का0स0
7. श्री अंकित कुमार त्रिवेदी, सहायक – सदस्य, रा0का0स0
8. श्री शक्तिशील चतुर्वेदी, सहायक – सदस्य, रा0का0स0
9. श्री राघवेन्द्र प्रताप, सहायक – सदस्य, रा0का0स0
10. श्री नवीन कुमार श्रीवास्तव, सहायक – सदस्य, रा0का0स0
11. श्रीमती मीरा शुक्ला, गंगा गैलरी सहायक (संविदा) – अतिथि सदस्य, रा0का0स0
12. श्री राजीव मिश्र, लेखा विभाग सहायक (संविदा) – अतिथि सदस्य, रा0का0स0
13. कु0 रश्मि मिश्रा, सहायक (संविदा) – अतिथि सदस्य, रा0का0स0
14. श्री आशुतोष मिश्रा, सहायक (संविदा) – अतिथि सदस्य, रा0का0स0
15. डा0 आर0के0 श्रीवास्तव, सी0एम0ओ0 कार्यालय प्रयागराज – अतिथि

डा0 नीरज कुमार, अधिशासी सचिव, नासी ने सर्वप्रथम प्रोफेसर अजय के0 घटक, अध्यक्ष, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत एवं उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा **"विश्व धरा**

दिवस" विषय की कार्यशाला में नासी अध्यक्ष महोदय से अनुरोध किया कि इस विषय पर अपना मार्ग दर्शन दें।

प्रोफेसर अजय के0 घटक सर ने अपने संक्षिप्त भाषण में कहा कि **"विश्व धरा दिवस"** विषय पर हिंदी की कार्यशाला का आयोजन बहुत ही सराहनीय कार्य है। उन्होंने बताया कि विश्व धरा दिवस मनाने की शुरूवात अमेरिका में 1970 में हुआ था। जलवायु परिवर्तन जिस तरह से हो रहा है वह बहुत ही चिंतनीय है तथा हमें अपने पृथ्वी के बारे में गंभीरता से सोचना होगा। जिस तरह से एरिज़ोना के जंगलों में प्रायः आग लगी रहती है उससे जलवायु एवं पृथ्वी गभींर संकट में है। हमें अपने जल, जंगल, पर्यावरण को बचाना होगा। इस विषय पर हिंदी की कार्यशाला आयोजित की गयी है आप सभी सदस्य गण अपने अपने तरह से बेहतर प्रयास कर पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त करें यही मेरी कामना है।

तत्पश्चात अकादमी के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी कार्यशाला में अपने–अपने विचार साझा किये।

Participants (2)
NASI HQ
Ajoy Ghatak
Share
Record
Apps

Annex. 2 Bhopal Chapter lectures

Popular Invited lecture of Dr Sanjay Raikhera, Director, White Tiger Safari and Zoo, Mukundpur, Satna, on "Wild life of M.P with special reference to mammals" organised in Assiciation with the NASI Bhopal Chapter & the Deptt. of Zoology, Govt. Autonomous College, Satna in the end of March 2022

Popular Invited lecture of Dr R L S Sikarwar ,Professor of Botany, AKS University Satna at Department of Botany, on medicinal plants of India, organised in Assiciation with the NASI Bhopal Chapter & the Deptt. of Botany, Govt. Autonomous College, Satna in the end of March 2022